

DEPARTMENT OF HINDI
D.P. VIPRA COLLEGE BILASPUR (C.G.)
(AN AUTONOMOUS COLLEGE)



Scheme and Syllabus

of

M.A. HINDI I,II,III&IV

Program Code- DPMA01

Semester System for affiliated college

(As per LOCF and credit system)

2025-26



DEPARTMENT OF HINDI

Scheme of M.A. (Hindi) under Semester System

Program Code& Name: DPMA01 - M.A. (Hindi)

Session 2024-25

Semester	Course Code	Course Name	Credit			Total Credit	Marks			
			L	T	P		ESE	CIA	Total	
								MAX	MIN	
प्रथम	MHNT101	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT102	प्राचीन काव्य	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT103	हिंदी कथा साहित्य	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT104	भाषा विज्ञान	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT105	समसामयिक साहित्य में स्त्री विमर्श	3	1	-	4	70	30	100	40
		Total				20	350	150	500	200
द्वितीय	MHNT201	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल)	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT202	मध्यकालीन काव्य	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT203	हिंदी नाटक एवं निबंध साहित्य	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT204	हिंदी भाषा	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT205	छत्तीसगढ़ी भाषा का साहित्य	3	1	-	4	70	30	100	40
		Total				20	350	150	500	200
तृतीय	MHNT301	भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालो	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT302	छायावादी काव्य	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT303	प्रयोजनमूलक हिंदी	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT304	भारतीय साहित्य	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT305	अनुवाद विज्ञान	3	1	-	4	70	30	100	40
		Total				20	350	150	500	200
चतुर्थ	MHNT401	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT402	छायावादोत्तर काव्य	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT403	पत्रकारिता प्रशिक्षण	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT404	रंगमंच और लोक-साहित्य	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNE405	परियोजना कार्य – विशिष्ट रचनाकार का अध्यय	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNE406	लघु शोध प्रबंध								
		Total				20	350	150	500	200
		Grand Total				80	1400	600	2000	800

Program Code and Name	DPMA - 01			Semester	III
Exam Code and Name	M.A HINDI THIRD SEMESTER			Paper	I
Course Code	MHNT-301			Course Type	T
Course Title	भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन				
Total Credit	4				
Total Marks	CIA: 30	ESE: 70	Max Marks: 100	Min. Pass. Marks: 40	
Prerequisites (if any)					
Course Outcomes	<ul style="list-style-type: none"> रस, अलंकार, वक्रोक्ति, ध्वनि और औचित्य जैसे प्रमुख काव्य-सिद्धांतों की मूल अवधारणाओं, परिभाषाओं, भेदों और उनके पारस्परिक संबंधों को विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण से अवगत कराना। काव्य के प्रयोजन, लक्षण, भेद तथा काव्यगुणों की पहचान कर काव्य विवेचना में रस निष्पत्ति, साधारणीकरण और सहृदयता जैसे तत्वों का प्रभाव से अवगत कराना। आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नंददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह जैसे प्रमुख आलोचकों की दृष्टियों का तुलनात्मक अध्ययन कर आलोचना के विविध दृष्टिकोणों शास्त्रीय, समाजशास्त्रीय, मार्क्सवादी, सौंदर्यशास्त्रीय आदि की गहन समझ से परिचय कराना। यह पाठ्यक्रम छात्रों को भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांतों की बौद्धिक गहराई, तार्किकता और साहित्यिक मूल्यांकन में दक्ष बनाता है, जिससे वे भावी शोध, शिक्षण एवं आलोचनात्मक लेखन के लिए सशक्त आधार प्राप्त कर सकते हैं। 				

Contents of Course		
Unit	Contents	No. of Period
I	काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य प्रकार, काव्य के भेद। हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास। भरतमुनि का रस सिद्धांत, रस निरूपक आचार्य। रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा रस तथा भाव का संबंध, रस के अवयव। शब्द शक्तियाँ – अर्थ और भेद।	15
II	अलंकार सिद्धांत- मूल स्थापनाएँ और मूल्यांकन, अलंकारों का वर्गीकरण। रीति सिद्धांत रीति की अवधारणा, काव्यगुण, रीति और शैली, रीति के भेद, रीति गुण – दोष, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ। वक्रोक्ति सिद्धांत वक्रोक्ति की अवधारणा, अर्थ, परिभाषा और स्वरूप, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।	15
III	ध्वनि सिद्धांत, ध्वनि का अर्थ लक्षण, स्वरूप, काव्यात्मा का रूप में ध्वनि, ध्वनि तथा रस सिद्धांत का संबंध, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के भेद। औचित्य सिद्धांत- अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, प्रमुख स्थापना, औचित्य के भेद।	15
IV	हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक प्रभाववादी मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय। समकालीन आलोचना की अवधारणा, आधुनिक हिंदी आलोचना के प्रमुख आलोचक आचार्य रामचंद्र शुक्ल और रस दृष्टि तथा लोक मंगल की अवधारणा नंददुलारे वाजपेयी सौष्ठववादी आलोचना, रामविलास शर्मा मार्क्सवादी आलोचना। शुक्लोत्तर समीक्षा और समीक्षक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी डॉ. नामवर सिंह, विजयदेव नारायण साही, समकालीन आलोचना आधुनिक भावबोध, अर्थ, विशेषताएँ, महत्त्व।	15
Total no. of Lectures		60

Text books	काव्यशास्त्र – डॉ. नागेन्द्र भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त – सत्यदेव चौधरी																																
Reference books	<p>Reference Books:</p> <table border="1"> <tr><td>01</td><td>भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका</td><td>–</td><td>डॉ. नागेन्द्र</td></tr> <tr><td>02</td><td>भारतीय काव्यशास्त्र</td><td>–</td><td>डॉ. उदयभानु सिंह</td></tr> <tr><td>03</td><td>भारतीय काव्यशास्त्र</td><td>–</td><td>डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी</td></tr> <tr><td>04</td><td>भारतीय काव्यशास्त्र</td><td>–</td><td>डॉ. भागीरथी मिश्र</td></tr> <tr><td>05</td><td>रस मीमांसा</td><td>–</td><td>डॉ. रामचंद्र शुक्ल</td></tr> <tr><td>06</td><td>रस सिद्धांत</td><td>–</td><td>डॉ. नागेन्द्र</td></tr> <tr><td>07</td><td>भारतीय आलोचना शास्त्र</td><td>–</td><td>डॉ. राजवंश सहाय</td></tr> <tr><td>08</td><td>हिंदी आलोचना</td><td>–</td><td>डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी</td></tr> </table> <p>ई-संसाधन (E-Resources) :-</p> <ol style="list-style-type: none"> ई. जर्नल्स, ई. पुस्तकें दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस, ई-शोधलेख। www.ndl.iitkgp.ac.in (National Digital Library of India) 	01	भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका	–	डॉ. नागेन्द्र	02	भारतीय काव्यशास्त्र	–	डॉ. उदयभानु सिंह	03	भारतीय काव्यशास्त्र	–	डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी	04	भारतीय काव्यशास्त्र	–	डॉ. भागीरथी मिश्र	05	रस मीमांसा	–	डॉ. रामचंद्र शुक्ल	06	रस सिद्धांत	–	डॉ. नागेन्द्र	07	भारतीय आलोचना शास्त्र	–	डॉ. राजवंश सहाय	08	हिंदी आलोचना	–	डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
01	भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका	–	डॉ. नागेन्द्र																														
02	भारतीय काव्यशास्त्र	–	डॉ. उदयभानु सिंह																														
03	भारतीय काव्यशास्त्र	–	डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी																														
04	भारतीय काव्यशास्त्र	–	डॉ. भागीरथी मिश्र																														
05	रस मीमांसा	–	डॉ. रामचंद्र शुक्ल																														
06	रस सिद्धांत	–	डॉ. नागेन्द्र																														
07	भारतीय आलोचना शास्त्र	–	डॉ. राजवंश सहाय																														
08	हिंदी आलोचना	–	डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी																														

Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods:		
Maximum Marks: 100 Marks	Continuous Internal Assessment (CIA): 30 Marks	End Semester Exam (ESE) : 70 Marks
Continuous Internal Assessment (CIA)	Internal Test/Quiz- (2): 20 & 20 Assignment / Seminar: 10 Total Marks: 30	Better marks out of the two Test / Quiz + obtained marks is Assignment shall be considered against 30 Marks
End Semester Exam (ESE)	Three Section - A, B & C Section A: Q1. Objective- 10 x 1 = 10 Mark; Section B: Long Answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 5 = 20 Marks; Section C: Descriptive answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 10 = 40 Marks;	

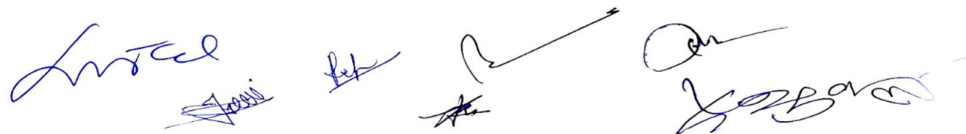


Program Code and Name	DPMA - 01			Semester	III
Exam Code and Name	M.A HINDI THIRD SEMESTER			Paper	II
Course Code	MHNT-302			Course Type	T
Course Title	छायावादी काव्य				
Total Credit	4				
Total Marks	CIA: 30	ESE: 70	Max Marks: 100	Min. Pass. Marks: 40	
Prerequisites (if any)					
Course Outcomes	<ul style="list-style-type: none"> छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियाँ, काव्यशैली एवं काव्यदृष्टि की गहन अध्ययन करना। जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा सुमित्रानंदन पंत, जैसे कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थी काव्य में निहित राष्ट्रबोध, आध्यात्मिकता, संवेदना, प्रकृति चित्रण तथा सामाजिक चेतना का समीक्षात्मक मूल्यांकन करना सीखेंगे। कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को सामाजिक-ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य से अवगत कराना। छायावादी कवियों की काव्य भाषा, प्रतीक योजना, शिल्प सौंदर्य एवं शैलीगत विशिष्टताओं का अध्ययन करना। 				

Contents of Course		
Unit	Contents	No. of Period
I	छायावाद : परिभाषा, नामकरण, काल-निर्धारण। स्वच्छतावादी काव्यधारा, छायावाद की राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश स्वाधीनता आंदोलन में छायावादी कविता का अवदान।	15
II	छायावादी कवियों का संस्कृतिबोध, प्रकृति चित्रण, स्त्री विषयक चिंतन। काव्यभाषा छंद विधान, मुक्त छंद, प्रगीत तथा लंबी कविता की अवधारणा। छायावाद के प्रमुख कवियों का आलोचनात्मक अध्ययन।	15
III	जयशंकर प्रसाद : कामायनी-चिंता, श्रद्धा सर्ग। सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : राम की शक्ति पूजा, बादलराग व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।	15
IV	सुमित्रानंदन पंत : परिवर्तन, नौका विहार। महादेवी वर्मा : क्या पूजा क्या अर्चन रे, बीन भी हूँ मैं तुम्हारीरागिनी हूँ। व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन।	15
Total no. of Lectures		60

Text books	<p>कामायनी – जयशंकर प्रसाद परिमल – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला अनामिका – सुमित्रानंदन पंत यामा – महादेवी वर्मा</p>																												
Reference books	<p>Reference Books:</p> <table border="1"> <tr><td>01</td><td>कामायनी एवं पुनर्मूल्यांकन</td><td>–</td><td>श्री रामस्वरूप चतुर्वेदी</td></tr> <tr><td>02</td><td>कामायनी के अध्ययन की समस्याएं</td><td>–</td><td>डॉ. नगेन्द्र</td></tr> <tr><td>03</td><td>कवि निराला</td><td>–</td><td>आचार्य नंददुलारे बाजपेयी</td></tr> <tr><td>04</td><td>स्वातंत्रयोत्तर हिंदी महाकाव्य</td><td>–</td><td>डॉ. निजामुद्दीन</td></tr> <tr><td>05</td><td>छायावाद का पतन</td><td>–</td><td>देवराज</td></tr> <tr><td>06</td><td>निराला की साहित्य साधना</td><td>–</td><td>रामविलास शर्मा</td></tr> <tr><td>07</td><td>आधुनिक साहित्य</td><td>–</td><td>नंददुलारे बाजपेयी</td></tr> </table> <p>ई-संसाधन (E-Resources) : - 1. ई. जर्नल्स, ई. पुस्तकें दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस, ई-शोधलेख। 2. www.ndl.iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)</p>	01	कामायनी एवं पुनर्मूल्यांकन	–	श्री रामस्वरूप चतुर्वेदी	02	कामायनी के अध्ययन की समस्याएं	–	डॉ. नगेन्द्र	03	कवि निराला	–	आचार्य नंददुलारे बाजपेयी	04	स्वातंत्रयोत्तर हिंदी महाकाव्य	–	डॉ. निजामुद्दीन	05	छायावाद का पतन	–	देवराज	06	निराला की साहित्य साधना	–	रामविलास शर्मा	07	आधुनिक साहित्य	–	नंददुलारे बाजपेयी
01	कामायनी एवं पुनर्मूल्यांकन	–	श्री रामस्वरूप चतुर्वेदी																										
02	कामायनी के अध्ययन की समस्याएं	–	डॉ. नगेन्द्र																										
03	कवि निराला	–	आचार्य नंददुलारे बाजपेयी																										
04	स्वातंत्रयोत्तर हिंदी महाकाव्य	–	डॉ. निजामुद्दीन																										
05	छायावाद का पतन	–	देवराज																										
06	निराला की साहित्य साधना	–	रामविलास शर्मा																										
07	आधुनिक साहित्य	–	नंददुलारे बाजपेयी																										

Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods:		
Maximum Marks: 100 Marks	Continuous Internal Assessment (CIA): 30 Marks	End Semester Exam (ESE) : 70 Marks
Continuous Internal Assessment (CIA)	Internal Test/Quiz- (2): 20 & 20 Assignment / Seminar: 10 Total Marks: 30	Better marks out of the two Test / Quiz + obtained marks is Assignment shall be considered against 30 Marks
End Semester Exam (ESE)	Three Section - A, B & C Section A: Q1. Objective- 10 x 1 = 10 Mark; Section B: Long Answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 5 = 20 Marks; Section C: Descriptive answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 10 = 40 Marks;	



Program Code and Name	DPMA - 01			Semester	III
Exam Code and Name	M.A HINDI THIRD SEMESTER			Paper	III
Course Code	MHNT-303			Course Type	T
Course Title	प्रयोजनमूलक हिंदी				
Total Credit	4				
Total Marks	CIA: 30	ESE: 70	Max Marks: 100	Min. Pass. Marks: 40	
Prerequisites (if any)					
Course Outcomes	<ul style="list-style-type: none"> प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरूप को समझना। कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली हिंदी के विविध पक्षों से परिचित होना। विद्यार्थियों में कार्यालयीन एवं व्यावहारिक हिंदी के प्रति अभिरुचि पैदा करना। 				

Contents of Course		
Unit	Contents	No. of Period
I	प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरूप एवं आशय प्रयोजनमूलक हिंदी विभिन्न प्रयुक्तियाँ, प्रशासनिक भाषा के रूप में खड़ी बोली का विकास	15
II	हिंदी के विविध रूप : राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सृजनात्मक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा कार्यालयीन हिंदी : हिंदी राजभाषा के प्रमुख प्रकार—प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, पारिभाषिक शब्दावली, परिभाषा, विशेषताएँ और प्रकार पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत, उदाहरण एवं उनका व्यावहारिक प्रयोग	15
III	राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति एवं व्यवहार, संविधान में राजभाषा संबंधी प्रावधान, राजभाषा अधिनियम 1963 एवं राजभाषा नियम 1976, भारत सरकार के राजभाषा संबंधी अनुदेश, राजभाषा क्रियान्वयन के विविध पहलू	15
IV	हिंदी कंप्यूटिंग : कंप्यूटर परिचय, रूपरेखा, उपयोग, तथा वेब पब्लिशिंग का परिचय इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्राथमिक रखरखाव, हिंदी के प्रमुख पोर्टल, डाउनलोडिंग, अपलोडिंग हिंदी साफ्टवेयर, यू-ट्यूब वेब पब्लिकेशन, इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेटस्कैप कम्प्युनिकेटर लिंक बालजिग ईमेल भेजना व प्राप्त करना।	15
Total no. of Lectures		60

Text books	प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. हरिमोहन प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. गोविंद त्रिगुणायात्																														
Reference books	<table border="1"> <tr> <td>01</td> <td>प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी</td> <td>–</td> <td>डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया</td> </tr> <tr> <td>02</td> <td>हिंदी का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण</td> <td>–</td> <td>प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल</td> </tr> <tr> <td>03</td> <td>प्रयोजनमूलक हिंदी विविध परिदृश्य</td> <td>–</td> <td>डॉ. रमेश चंद्र त्रिपाठी</td> </tr> <tr> <td>04</td> <td>हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप</td> <td>–</td> <td>डॉ. राजमणि शर्मा</td> </tr> <tr> <td>05</td> <td>पारिभाषिक शब्दावली</td> <td>–</td> <td>डॉ. भोलानाथ तिवारी, डॉ. महेन्द्र चतर्वेदी</td> </tr> <tr> <td>06</td> <td>राजभाषा हिंदी, नियम पुस्तिका</td> <td>–</td> <td>राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय नई दिल्ली</td> </tr> <tr> <td>07</td> <td>प्रयोजनमूलक हिंदी</td> <td>–</td> <td>डॉ. रामछबीला त्रिपाठी</td> </tr> </table> <p>ई-संसाधन (E-Resources) : - 1. ई. जर्नल्स, ई. पुस्तकें दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस, ई-शोधलेख। 2. www.ndl.iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)</p>			01	प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी	–	डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया	02	हिंदी का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण	–	प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल	03	प्रयोजनमूलक हिंदी विविध परिदृश्य	–	डॉ. रमेश चंद्र त्रिपाठी	04	हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप	–	डॉ. राजमणि शर्मा	05	पारिभाषिक शब्दावली	–	डॉ. भोलानाथ तिवारी, डॉ. महेन्द्र चतर्वेदी	06	राजभाषा हिंदी, नियम पुस्तिका	–	राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय नई दिल्ली	07	प्रयोजनमूलक हिंदी	–	डॉ. रामछबीला त्रिपाठी
01	प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी	–	डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया																												
02	हिंदी का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण	–	प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल																												
03	प्रयोजनमूलक हिंदी विविध परिदृश्य	–	डॉ. रमेश चंद्र त्रिपाठी																												
04	हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप	–	डॉ. राजमणि शर्मा																												
05	पारिभाषिक शब्दावली	–	डॉ. भोलानाथ तिवारी, डॉ. महेन्द्र चतर्वेदी																												
06	राजभाषा हिंदी, नियम पुस्तिका	–	राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय नई दिल्ली																												
07	प्रयोजनमूलक हिंदी	–	डॉ. रामछबीला त्रिपाठी																												

Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods:		
Maximum Marks: 100 Marks	Continuous Internal Assessment (CIA): 30 Marks	End Semester Exam (ESE) : 70 Marks
Continuous Internal Assessment (CIA)	Internal Test/Quiz- (2): 20 & 20 Assignment / Seminar: 10 Total Marks: 30	Better marks out of the two Test / Quiz + obtained marks is Assignment shall be considered against 30 Marks
End Semester Exam (ESE)	Three Section - A, B & C Section A: Q1. Objective- 10 x 1 = 10 Mark; Section B: Long Answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 5 = 20 Marks; Section C: Descriptive answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 10 = 40 Marks;	

Program Code and Name	DPMA - 01			Semester	III
Exam Code and Name	M.A HINDI THIRD SEMESTER			Paper	IV
Course Code	MHNT-304			Course Type	T
Course Title	भारतीय साहित्य				
Total Credit	4				
Total Marks	CIA: 30	ESE: 70	Max Marks: 100	Min. Pass. Marks: 40	
Prerequisites (if any)					
Course Outcomes	<ul style="list-style-type: none"> विद्यार्थी हिंदी सहित बंगला, उड़िया, असमिया और कन्नड़ साहित्य के प्रमुख रचनाकारों और कृतियों से परिचित होंगे। तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से भारत की भाषिक और सांस्कृतिक एकता की गहरी समझ विकसित कर सकेंगे। प्रस्तुत काव्य, नाटक और उपन्यासों के अध्ययन से विद्यार्थियों में संवेदनात्मक, वैचारिक और सौंदर्यपरक विश्लेषण की क्षमता को विकसित कराना है। भारतीय साहित्य के वैश्विक प्रभाव और उसकी आधुनिक प्रासंगिकता को समझ सकेंगे। 				

Contents of Course		
Unit	Contents	No. of Period
I	भारतीय साहित्य का अवधारणा एवं स्वरूप भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब भारतीय साहित्य के इतिहास की संकल्पना हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति एवं अध्ययन की समस्याएँ	15
II	बंगला, उड़िया तथा असमिया भाषा के साहित्य का इतिहास, प्रमुख कृतिकारों का परिचय एवं महत्त्वपूर्ण कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन।	15
III	कविता संग्रह- वर्षा की सुबह (उड़िया) सीताकांत महापात्र, नाटक - हयवदन (कन्नड़) गिरीश कर्नाड	15
IV	उपन्यास - अग्निगर्भा (बंगला) महाश्वेता देवी	15
Total no. of Lectures		60

Text books	भारतीय साहित्य - रामविलास शर्मा भारतीय साहित्य की रूपरेखा - डॉ. नागेन्द्र																
Reference books	<table border="1"> <tr> <td>1. भारतीय साहित्य</td> <td>- संपादक डॉ. नागेन्द्र</td> </tr> <tr> <td>2. भारतीय साहित्य</td> <td>- लक्ष्मीकांत पाण्डेय एवं प्रमिला अवस्थी</td> </tr> <tr> <td>3. हिंदी साहित्य का इतिहास</td> <td>- डॉ. नागेन्द्र</td> </tr> <tr> <td>4. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका</td> <td>- प्रो. इंद्रनाथ चौधुरी</td> </tr> <tr> <td>5. भारतीय साहित्य अध्ययन की नई दिशाएँ</td> <td>- डॉ. प्रदीप श्रीधर</td> </tr> <tr> <td>6. बंगला साहित्य का इतिहास</td> <td>- भारतीय भाषा संस्थान, इलाहाबाद</td> </tr> <tr> <td>7. भारतीय भाषाओं के साहित्य का इतिहास</td> <td>- केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली</td> </tr> <tr> <td>8. आज का भारतीय साहित्य</td> <td>- साहित्य अकादमी</td> </tr> </table> <p>ई-संसाधन (E-Resources) :-</p> <ol style="list-style-type: none"> ई. जर्नल्स, ई पुस्तकें दृश्य श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस, ई - शोधलेख। w.w.w.ndl- iitkgp-ac-in National Digital Library of India 	1. भारतीय साहित्य	- संपादक डॉ. नागेन्द्र	2. भारतीय साहित्य	- लक्ष्मीकांत पाण्डेय एवं प्रमिला अवस्थी	3. हिंदी साहित्य का इतिहास	- डॉ. नागेन्द्र	4. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका	- प्रो. इंद्रनाथ चौधुरी	5. भारतीय साहित्य अध्ययन की नई दिशाएँ	- डॉ. प्रदीप श्रीधर	6. बंगला साहित्य का इतिहास	- भारतीय भाषा संस्थान, इलाहाबाद	7. भारतीय भाषाओं के साहित्य का इतिहास	- केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली	8. आज का भारतीय साहित्य	- साहित्य अकादमी
1. भारतीय साहित्य	- संपादक डॉ. नागेन्द्र																
2. भारतीय साहित्य	- लक्ष्मीकांत पाण्डेय एवं प्रमिला अवस्थी																
3. हिंदी साहित्य का इतिहास	- डॉ. नागेन्द्र																
4. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका	- प्रो. इंद्रनाथ चौधुरी																
5. भारतीय साहित्य अध्ययन की नई दिशाएँ	- डॉ. प्रदीप श्रीधर																
6. बंगला साहित्य का इतिहास	- भारतीय भाषा संस्थान, इलाहाबाद																
7. भारतीय भाषाओं के साहित्य का इतिहास	- केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली																
8. आज का भारतीय साहित्य	- साहित्य अकादमी																

Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods:		
Maximum Marks: 100 Marks	Continuous Internal Assessment (CIA): 30 Marks	End Semester Exam (ESE) : 70 Marks
Continuous Internal Assessment (CIA)	Internal Test/Quiz- (2): 20 & 20 Assignment / Seminar: 10 Total Marks: 30	Better marks out of the two Test / Quiz + obtained marks is Assignment shall be considered against 30 Marks
End Semester Exam (ESE)	Three Section - A, B & C Section A: Q1. Objective- 10 x 1 = 10 Mark; Section B: Long Answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 5 = 20 Marks; Section C: Descriptive answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 10 = 40 Marks;	

Program Code and Name	DPMA - 01			Semester	III
Exam Code and Name	M.A HINDI THIRD SEMESTER			Paper	V
Course Code	MHNT-305			Course Type	T
Course Title	अनुवाद विज्ञान				
Total Credit	4				
Total Marks	CIA: 30	ESE: 70	Max Marks: 100	Min. Pass. Marks: 40	
Prerequisites (if any)					
Course Outcomes	<ul style="list-style-type: none"> • अनुवाद की मूल अवधारणा, स्वरूप, क्षेत्र और सीमाओं से परिचय कराना। • विभिन्न प्रकार के अनुवाद-साहित्यिक, कार्यालयीन, तकनीकी, मीडिया, विज्ञापन आदि की विशेषताओं व प्रवृत्तियों को समझकर उनका प्रयोग करने में सक्षम होंगे। • जनसंचार माध्यम, अन्य आधुनिक तकनीकी विषय क्षेत्रों के परिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया से परिचित कराना। • अनुवाद पुनरीक्षण तथा मूल्यांकन का कार्य से अवगत कराना। 				

Contents of Course		
Unit	Contents	No. of Period
I	अनुवाद : परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ, अनुवाद का स्वरूप: अनुवाद कला, विज्ञान और शिल्प, अनुवाद की इकाई: शब्द पदबंध, वाक्य पाठ, अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि: विश्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन।	15
II	अनुवाद प्रक्रिया के विविध आयाम : स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण तथा अर्थ ग्रहण की प्रक्रिया। स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा के बीच तुलनात्मक अध्ययन तथा अर्थांतरण की प्रक्रिया। अनुवादित पाठ का पुनर्निर्माण और अर्थ के प्रभावी संप्रेषण की प्रक्रिया। अनुवाद प्रक्रिया में प्रवृत्तियों और उपागमों का विश्लेषण।	15
III	अनुवाद की अवधारणा और प्रकृति, अनुवाद के प्रकार अनुवाद के उपकरण – कोश, पारिभाषिक, शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि अनुवाद पुनरीक्षण, संपादन और मूल्यांकन, मशीनी अनुवाद के प्रयोग और सीमाएँ उपयोगिता वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता और व्यासायिक दृष्टिकोण	15
IV	अनुवाद तथा समतुल्यता का सिध्दांत अनुवाद के क्षेत्र : कार्यालयी अनुवाद, वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन जगत का अनुवाद आदि अनुवाद की समस्याएँ : सृजनात्मक एवं साहित्यिक अनुवाद की चुनौतियाँ, कार्यालयी अनुवाद में आने वाली अड़चने, कोश एवं पारिभाषिक शब्द निर्माण की समस्याएँ	15
Total no. of Lectures		60

Text books	अनुवाद विज्ञान अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग	– डॉ. भोलानाथ तिवारी – डॉ. जी. गोपीनाथन
Reference books	<p>संदर्भ-ग्रंथ ::</p> <p>01. अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी 02. अनुवाद कला सिध्दांत और प्रयोग – डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया 03. व्यावहारिक अनुवाद – डॉ. आलोक कुमार रस्तोगी 04. अनुवाद क्या है – संपादक राजमल बोरा 05. अनुवाद प्रक्रिया – डॉ. रामनारायण पटेल 06. अनुवाद विज्ञान – डॉ. जयश्री शुक्ल</p> <p>ई-संसाधन (E-Resources) :-</p> <p>1. ई. जर्नल्स, ई. पुस्तकें दृश्य – श्रेय सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस, ई-शोधलेख। 2. www.ndl.iitkgp.ac.in (National Digital Library of India) Ltd., New Delhi, 2000. 3. Matoria. C.B. India's Population Problem, Kitab Mahal New Delhi, 1981.</p>	

Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods:		
Maximum Marks: 100 Marks	Continuous Internal Assessment (CIA): 30 Marks	End Semester Exam (ESE) : 70 Marks
Continuous Internal Assessment (CIA)	Internal Test/Quiz- (2): 20 & 20 Assignment / Seminar: 10 Total Marks: 30	Better marks out of the two Test / Quiz + obtained marks is Assignment shall be considered against 30 Marks
End Semester Exam (ESE)	Three Section - A, B & C Section A: Q1. Objective- 10 x 1 = 10 Mark; Section B: Long Answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 5 = 20 Marks; Section C: Descriptive answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 10 = 40 Marks;	